Abstract

Teacher is the most important component of teaching-learning process and when it comes to disabled children, the role of teachers becomes more important. Students can still learn best when their learning styles are recognised through systematic evaluation and suitable teaching techniques by teachers, regardless of the handicap or its severity. This study discusses the different perceptions of teachers in inclusive school of New Delhi with respect to intellectually disabled students at secondary level. Data was collected by Interview and Observation Tool In Qualitative manner. The results of this study indicated that there were equal amounts of positive and negative perceptions towards inclusive education for intellectually disabled students in New Delhi. The prominent negative perceptions towards the education of intellectually disabled students involved the lack of training, unrealistic expectations, resources, time and class size. These areas include learning difficulties, inclusion administration and policy, curriculum adaptation and psychological training to improve communication skills of teachers and ways to deal with emotional barriers of learning. The results indicated that teachers perceived emotional barriers to learning as the most prevalent barriers to learning, then cognitive barriers to learning. This then indicated that the majority of educators felt they do not possess the necessary skills and resources that are needed in order to cope with the demands of teaching students with intellectually disabled experiencing these barriers to learning. Parental support was highlighted as being fundamental to the implementation of inclusive education for their child; however, teachers reported having minimal support and contact with parents. Without comprehensive support for teachers who deliver education, inclusive education cannot promise that all students will benefit from the system. The findings of present study exposed the real position of implementation of inclusive education for intellectually disabled students in New Delhi. The findings can be helpful to strengthen the inclusive environment by ensuring appropriate teaching methodologies, physical access and removing administrative and attitudinal problems especially the inadequate funding and flawed appointments of special teachers.

Keywords: *Intellectual Disability, Teacher, Inclusive Education, Learning, Psychological Factors, Social Factors & Learning-Environment Factors.*

सार

शिक्षक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण घटक है और जब विकलांग बच्चों की बात आती है, तो शिक्षकों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। छात्र तब भी सर्वश्रेष्ठ सीख सकते हैं जब उनकी सीखने की शैली को शिक्षकों द्वारा व्यवस्थित मूल्यांकन और उपयुक्त शिक्षण तकनीकों के माध्यम से पहचाना जाता है, चाहे बाधा या इसकी गंभीरता कुछ भी हो। यह अध्ययन माध्यमिक स्तर पर बौद्धिक रूप से विकलांग छात्रों के संबंध में नई दिल्ली के समावेशी स्कूल में शिक्षकों की विभिन्न धारणाओं पर चर्चा करता है। डेटा को साक्षात्कार और अवलोकन उपकरण द्वारा गुणात्मक तरीके से एकत्र किया गया था। इस अध्ययन के परिणामों ने संकेत दिया कि नई दिल्ली में बौद्धिक रूप से अक्षम छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा के प्रति समान मात्रा में सकारात्मक और नकारात्मक धारणाएं थीं। बौद्धिक रूप से विकलांग छात्रों की शिक्षा के प्रति प्रमुख नकारात्मक धारणाओं में प्रशिक्षण की कमी, अवास्तविक अपेक्षाएं, संसाधन, समय और कक्षा का आकार शामिल था। इन क्षेत्रों में सीखने की कठिनाइयाँ, समावेशन प्रशासन और नीति, पाठ्यक्रम अनुकूलन और शिक्षकों के संचार कौशल में सुधार के लिए मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण और सीखने की भावनात्मक बाधाओं से निपटने के तरीके शामिल हैं। परिणामों ने संकेत दिया कि शिक्षकों ने भावनात्मक बाधाओं को सीखने के लिए सबसे प्रचलित बाधाओं के रूप में माना, फिर सीखने के लिए संज्ञानात्मक बाधाएं। इसके बाद यह संकेत मिलता है कि अधिकांश शिक्षकों ने महसूस किया कि उनके पास आवश्यक कौशल और संसाधन नहीं हैं, जो सीखने में इन बाधाओं का अनुभव करने वाले बौद्धिक रूप से विकलांग छात्रों को पढ़ाने की मांगों का सामना करने के लिए आवश्यक हैं। माता-पिता के समर्थन को उनके बच्चे के लिए समावेशी शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए मौलिक होने के रूप में उजागर किया गया था; हालांकि, शिक्षकों ने माता-पिता के साथ न्यूनतम समर्थन और संपर्क होने की सूचना दी। शिक्षा देने वाले शिक्षकों के लिए व्यापक समर्थन के बिना, समावेशी शिक्षा यह वादा नहीं कर सकती कि सभी छात्रों को इस प्रणाली से लाभ होगा। वर्तमान अध्ययन के निष्कर्षों ने नई दिल्ली में बौद्धिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा के कार्यान्वयन की वास्तविक स्थिति को उजागर किया। निष्कर्ष उपयुक्त शिक्षण पद्धति, भौतिक पहुंच सुनिश्चित करके और विशेष रूप से अपर्याप्त वित्त पोषण और विशेष शिक्षकों की त्रुटिपूर्ण नियुक्तियों को दूर करके समावेशी वातावरण को मजबूत करने में सहायक हो सकते हैं।

कीवर्ड: बौद्धिक विकलांगता, शिक्षक, समावेशी शिक्षा, सीखना, मनोवैज्ञानिक कारक, सामाजिक कारक& सीखना-पर्यावरण कारक।